EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Class : 9th
Subject : Hindi
Chapter : 5
Chapter Name : नाना साहेब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

Q1 बालिका मैंना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया?

Answer. बालिका मैना ने सेनापति हे को निरुत्तर कर देने वाले तर्क देकर महल की रक्षा की प्रार्थना की।सबसे पहले तो मैना ने कहा कि उनसे इस जड़ पदार्थ की कोई दुश्मनी नहीं है क्योंकि उनके विरुद्ध हथियार उस महल ने नहीं उठाया। इस प्रकार इस महल को गिराने से उनके किसी भी उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकती है। मैना ने कहा कि उन्हें उनके विरुद्ध क़दम उठाने चाहिए जिन्होंने उनसे बग़ावत की है। अंत में मैना ने सेनापति हे को याद दिलाया कि वह उनकी पुत्री की सहेली है और इस कारण उन्हें उसकी रक्षा करनी चाहिए।

Page : 55 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 मैंना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे। क्यों?

Answer. मैना को उस जड़ पदार्थ अर्थात महल से बेहद लगाव था क्योंकि वह उसी महल में खेली कूदी और बड़ी हुई थी। उस महल से उसके अपनों की यादें जुड़ी हुई थीं। यही कारण था कि मैना उस जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी। दूसरी ओर अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे क्योंकि उन्हें नाना साहेब से दुश्मनी निकालनी थी। चूँकि नाना साहेब ने अंग्रेजों के ख़िलाफ़ आज़ादी की जंग छेड़ी थी इस प्रकार वे अंग्रेजों के लिए ख़तरा बन गए थे। इसलिए अंग्रेज़ नाना साहेब से जुड़ी हुई हर एक चीज़ को मिटा देना चाहते थे।

Page : 55 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 सर टॉमस हे के मैना पर दया भाव के क्या कारण थे?

Answer. मैना का करूणामयी चेहरा देखकर सर टॉमस को उस पर दया आने लगी थी। मैना ने टॉमस से विनती की कि वे उसकी रक्षा करें तो टॉमस को लगा कि मैना की विनती को ठुकराया नहीं जा सकता। अंत में मैना ने जब बताया कि वह उसकी पुत्री की सहेली है तो सर टॉमस हे को उस पर और दया आने लगी।

Page : 55 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 मैंना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रसाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी?

edugross.com

Answer. जनरल ने मैना की अंतिम इच्छा पूर्ण नहीं होनी दी क्योंकि मैना नाना साहेब की पुत्री थी। नाना साहेब ने अंग्रेजों के ख़िलाफ़ आंदोलन किया था और आज़ादी की जंग छेड़ी थी। इस कारण अंग्रेज़ सरकार नाना साहेब के विरुद्ध थी। इतना ही नहीं बल्कि वह उन्हें खोज भी रही थी। अगर जनरल मैना को प्रसाद के ढेर पर बैठकर जी भर कर रो लेने वाली अंतिम इच्छा को पूर्ण करता तो ऐसे में अंग्रेज़ी सरकार के द्वारा उसे दंडित किए जाने का भय था। यह भी हो सकता था कि अंग्रेज़ी सरकार उसे अपने पद से हटा देती। इसी कारण जनरल ने मैना की इच्छा पूर्ण नहीं होने दी।

Page : 55 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 बालिका मैना के चरित्र की कौन कौन से विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे है और क्यों?

Answer. बालिका मैना के चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएँ हमें अवश्य अपनानी चाहिए-

1. बालिका मैना एक निडर लड़की थी। वह जानती थी कि इस समय उसे अंग्रेज़ों के द्वारा ख़तरा है क्योंकि वह नाना साहेब की पुत्री थी और अंग्रेज़ों को नाना साहेब से जुड़ी हर चीज़ को मिटाने की आज्ञा मिली थी। इतना सब जानने के बावजूद मैना के अंदर लेश मात्र भय नहीं था।
2. बालिका मैना को अपने उस महल से बहुत प्रेम था।उसे अपनी उस मातृभूमि से इतना ज़्यादा लगाव था कि वह उसे छोड़कर जाना नहीं चाहती थी।
3. उसके अंदर आत्म बलिदान की भावना थी। उसे अपने उस महल के लिए बलिदान देना स्वीकार था।
4. मैना तर्कशील बालिका थी।उसने अपने महल को बचाने के लिए अंग्रेज़ जनरल के सम्मुख तर्कशील बिंदु रखे।

Page : 55 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 टाइम्स पत्र ने 6 सितंबर को लिखा था बड़े दुख का विषय है कि “भारत सरकार आज तक नाना साहेब को नहीं पकड़ सकी” इस वाक्य में भारत सरकार से क्या आशय है?

Answer. टाइम्स पत्र में 6 सितंबर को एक ख़बर छपी थी जिसमें यह लिखा गया था कि अफ़सोस का विषय है कि भारत सरकार अब तक नाना साहेब को नहीं पकड़ सकी। वास्तव में भारत सरकार उस समय अंग्रेजों की हुकूमत ही थी।टाइम्स पत्र में भारत सरकार के संबोधन के द्वारा अंग्रेज़ों की कार्यशैली और उनकी नीतियों की आलोचना की थी। वास्तव में लोग उस समय यही चाहते थे कि जल्द से जल्द नाना साहेब पकड़े जाएं। इसी कारण टाइम्स पत्र ने भारत सरकार कह कर अंग्रेज़ों की आलोचना की।

Page : 55 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने में इस प्रकार के लेखन की क्या भूमिका रही होगी?

edugross.com

www.edugross.com
EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Answer. स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए लोगों में जागरूकता और साहस भरने की आवश्यकता थी। ये अत्यधिक ज़रूरी था कि लोगों के अंदर स्वदेश, स्वराज और मातृभूमि से प्रेम की भावना को जागृत किया जाए।इस प्रकार के लेखों के द्वारा लोगों को न सिर्फ जागरूकता मिलती थी बल्कि अपनों के ऊपर हो रहे अत्याचारों का भी पता चलता था। इससे उनके अंदर मातृभूमि को पाने की लालसा तेज़ हो जाती थी। इस प्रकार के लेख लोगों के अंदर स्वराज की भावना को भड़काते थे जिससे कि वे निडर होकर अंग्रेजों के ख़िलाफ़ आंदोलन करने में सक्षम हो पाते थे।

Page : 56 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q8 कल्पना कीजिए कि मैना के बलिदान कि यह ख़बर आपको रेडियो पर प्रस्तुत करनी है। इन सूचनाओं के आधार पर आप एक रेडियो समाचार तैयार करें और कक्षा में भावपूर्ण शैली में पढ़ें।

Answer. नमस्कार, आप इस समय कानपुर आकाशवाणी से जुड़े हैं।आज का दिन बेहदभावपूर्ण और श्रद्धांजली का दिन है क्योंकि आज नाना साहेब की पुत्री मैना को वीर गति प्राप्त हो गई है।ख़बरों के मुताबिक़ मैना को कल शाम में अंग्रेजों के द्वारा गिरफ़्तार किया गया और फिर वही उनका देहावसान हो गया। यह दिन प्रत्येक देशवासी के दिन में दिल में एक फाँस की तरह चुभ रहा है क्योंकि मैना ना सिर्फ़ एक छोटी सी बालिका थी बल्कि वह नाना साहेब जैसे आंदोलनकारी की वंशज थी। मैना ने देश की ख़ातिर अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। यह अत्यंत दुखद समाचार है किन्तु मैना का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। आज प्रत्येक देशवासी मैना की चिता को साक्षी मानकर देश के प्रति समर्पित होने और स्वराज पाने की शपथ ले रहा है।

Page : 56 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q9 इस पाठ में रिपोर्ताज के प्रारंभिक रूप की झलक मिलती है लेकिन आज अखबारों में अधिकांश खबरें रिपोर्ताज की शैली में लिखी जाती हैं। आप –

(क) कोई दो खबरें किसी अखबार से काटकर अपनी कॉपी में चिपकाइए तथा कक्षा में पढ़कर सुनाइए।

(ख) अपने आसपास की किसी घटना का वर्णन रिपोर्ताज शैली में कीजिए।

Answer.

(क) छात्र स्वयं उत्तर दें।

(ख) यह बात दो साल पहले की है मैं बाज़ार से जा रहा था।बाज़ार में काफ़ी भीड़-भाड़ थी और लोग एक दूसरे से धक्का मुक्की करते हुए आगे बढ़ रहे थे। अचानक मेरी दृष्टि सड़क के किनारे बैठे एक अपाहिज भिखारी पर पड़ी। सभी उसे देख कर गुज़र जा रहे थे लेकिन किसी ने भी आगे बढ़कर उसे कुछ नहीं दिया।एक दो कार वालों ने तो उसे गालियां भी थी कि वह सड़क के किनारे बैठकर किस तरह लोगों के आने जाने को बाधित कर रहा है। तभी मैंने देखा कि एक व्यक्ति अपने केले का ठेला लेकर उधर से

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

गुज़रा। उसने अपना ठेला एक किनारे पर लगाया और तीन चार केले उठाकर वो उस अपाहिज व्यक्ति के पास जाकर बैठा।उसने अपने हाथ से वो केले उस अपाहिज व्यक्ति को खिलाए। उस वक़्त मुझे ऐसा एहसास हुआ कि वास्तव में एक ग़रीब ही दूसरे ग़रीब का दर्द समझता है।

Page : 56 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q10 आप किसी ऐसे बालक बालिका के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए जिसने कोई बहादुरी का काम किया हो।

Answer. यह बात उस समय की है जब मैं कक्षा आठ में था। मैं अपने दो मित्रों के साथ नहर में नहाने गया था। उस समय नदी में बहुत ज़्यादा पानी नहीं था लेकिन फिर भी बीच नदी में जाना ख़तरे से ख़ाली नहीं था।हम तीनों मित्र नदी में उतर गए और नहाने का मज़ा लेने लगे। तभी अचानक हमारा एक मित्र पैर फिसल जाने के कारण हम से थोड़ा दूर चला गया।वह ख़ुद को संभाल नहीं पाया और सीधे गहरे पानी की तरफ़ बढ़ने लगा।यह देखकर हमारे होश उड़ गए।इससे पहले कि मैं कुछ करता मेरा दूसरा मित्र उसकी तरफ़ कूद पड़ा।उसने अपनी जान पर खेलते हुए उसे संभालने की कोशिश की। हमारी क़िस्मत अच्छी थी नदी उफान पर नहीं थी।थोड़ी देर के बाद हम तीनों ही पानी से बाहर आ गए।इसके बाद हमने ठान लिया कि हम अब कभी नदी में नहाने नहीं जाएंगे।

Page : 56 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q11 भाषा और वर्तनी का स्वरूप बदलता रहता है।इस पाठ में हिन्दी गद्य का प्रारंभिक रूप व्यक्त हुआ है।जो लगभग 75-80 वर्ष पहले था। इस पाठ के किसी पसंदीदा अनुच्छेद को वर्तमान मानक हिन्दी रूप में लिखिए।

Answer. कानपुर में क़त्लेआम मचाने के बाद अंग्रेज़ी दल बिठूर की ओर प्रस्थान कर गया। वहाँ पर उन्होंने नाना साहेब के क़िले को क्षति पहुँचाई और लूट लिया। उन्होंने लगभग पूरा किला ही लूट लिया लेकिन फिर भी वे असफल माने गए क्योंकि वे एक छोटी सी बालिका की निडरता के सम्मुख हार गए थे।

Page : 56 , Block Name : भाषा अध्ययन

edugross.com